



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उपखण्ड (i)

PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 176] नई दिल्ली, बुधवार, जुलाई 5, 1972/आषाढ़ 14, 1894

No. 176] NEW DELHI, WEDNESDAY, JULY 5, 1972/ASADHA 14, 1894

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

MINISTRY OF COMMUNICATION

(Posts and Telegraphs Board)

NOTIFICATION

New Delhi the 4th July 1972

G.S.R. 329(E).—In exercise of the powers conferred by Section 7 of the Indian Telegraph Act, 1885 (13 of 1885), the Central Government hereby makes the following rules further to amend the Indian Telegraph Rules, 1951, namely:—

1. (i) These rules may be called the Indian Telegraph (Sixth Amendment) Rules, 1972.

(ii) They shall come into force immediately.

2. In the Indian Telegraph Rules, 1951 (here-in-after referred to as the said rules), in rule 60A, after the heading "II For Delivery in Nepal" and the Table occurring there under, the following Heading and Table shall be inserted, namely:—

"III For delivery in Bangla Desh :

Class	For any number of words not exceeding eight including the address		For each additional word after the first eight words	
	Rs.	P.	Rs.	P.
Express	4	30	0	40
Ordinary	2	15	0	20

3. In rule 133 of the said rules, after the Heading "III For delivery in Nepal" and the Table occurring there under, the following Heading and Table shall be inserted, namely:—

"IV For delivery in Bangla Desh ;

Class	For any number of words not exceeding 50, excluding the address		For each additional five words after the first fifty words	
	Rs.	P.	Rs.	P.
Express .	3	50	0	40
Ordinary	1	75	0	20

[No. 9-2/7-R].

B. S. RAU,

Sr. Member (TO) and *Ex-Officio* Addl. Secy.

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बार्ड)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1972

सं० का० नि० 329(अ).—भारतीय अधिनियम, 1885 (1885 का 13) को धारा 7 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए केन्द्रीय सरकार भारतीय तार नियम, 1951 में आगे संशोधन करने के लिए निम्नलिखित नियम बनाता है, अर्थात् :—

- (1) इन नियमों को भारतीय तार (छठवां संशोधन) नियम, 1972 कहा जा सकेगा।
- (2) वे तुरन्त प्रवृत्त होंगे।

2. भारतीय तार नियम, 1951 (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त नियम कहा गया है) के नियम 60क में शीर्षक "11 नेपाल में वितरण के लिए" तथा उनके अन्तर्गत दी गई मारणों के पश्चात् निम्नवर्ती शीर्षक तथा मारणों जोड़ी जाएंगी, अर्थात् :—

(III) बंगला देश में वितरण के लिए —

श्रेणी	पता मिला कर आठ शब्दों से अनधिक कितने भी शब्दों के लिए		पहले आठ शब्दों के पश्चात् प्रत्येक अतिरिक्त शब्द के लिए	
	रु०	पै०	रु०	पै०
तुरन्त	4	30	0	40
साधारण	2	15	0	20

3. उक्त नियम के नियम 133 में शीर्षक " III नेपाल में वितरण के लिए" तथा उसके अन्तर्गत दी गई सारणी के पश्चात् निम्नवर्ती शीर्षक तथा सारणी जोड़ जाएगी, अर्थात् —

IV "बंगला देश में वितरण के लिए :

श्रेणी	पता छोड़ कर 50 शब्दों में अन्विष्ट		पहले पचास शब्दों के पश्चात् प्रत्येक	
	कितने भी शब्दों के लिए		अतिरिक्त शब्द के लिए	
	रु०	पै०	रु०	पै०
तुरन्त	3	50	0	40
साधारण	1	75	0	20

[सं० 9/2/72-आर]

श्री० एम० राव,
प्रवर सदस्य (पी० ओ०) तथा पत्रेन अतिरिक्त सचिव ।

